पाठ ९ प्रकृति पर्व - फुलदेई

कहानी का सारांश

इस कहानी में जानकी और उसके मित्र फुलदेई त्यौहार मनाने के लिए जंगल से फूल इकट्ठा करते हैं। फुलदेई उत्तराखंड का एक प्रसिद्ध त्यौहार है जो बच्चों द्वारा मनाया जाता है। यह त्योहार वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। 'फुलारी' नामक बच्चों का समूह हर घर के द्वार पर जाकर फूल, अक्षत और आशीर्वाद प्रदान करता है। लोग 'फुलारी' को चावल, गुड़ और पैसे देते हैं। एकत्रित चावल और गुड़ से बच्चों के लिए व्यंजन बनाए जाते हैं। फुलदेई बच्चों को प्रकृति प्रेम और सामाजिक सदभाव की सीख देता है। यह त्यौहार लोकगीतों, मान्यताओं और परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

कहानी का संदेश: फुलदेई त्यौहार प्रकृति और संस्कृति के प्रति प्रेम और सम्मान को बढ़ावा देता है। यह बच्चों को सामाजिक सदभाव और परस्पर सहयोग का महत्व सिखाता है।

शब्दार्थ

सैलाब: प्रचंड जलराशि, बाढ़

भोर: प्रातःकाल, सवेरा

इजा: माँ (गढ़वाली भाषा में)

डलिया: छोटी टोकरी

संग: साथ, समूह

विख्यात: प्रसिद्ध

बाल पर्व: बच्चों का त्यौहार

प्रतीक: किसी वस्तु या भाव का प्रतिनिधित्व करने वाली चीज़

बर्फ: जमा हुआ पानी

टोली: समूह, दल

'फुलारी': फूलों से भरी टोकरी लेकर जाने वाले बच्चों का समूह

मुख्य द्वार: घर का प्रधान प्रवेश द्वार

देहली: दरवाजे की चौखट

अक्षत: चावल, जौ मिलाकर बनाई गई पूजा सामग्री

मंगलकारी: शुभ, कल्याणकारी

क्षमा: किसी की गलती को माफ़ करना

रक्षा: सुरक्षा, बचाव

समृद्धि: धन-धान्य, संपत्ति की प्रचुरता

भंडार: जमा की हुई वस्तुओं का स्थान

पूर्णत: पूरी तरह से

स्वच्छ: साफ़, निर्मल

लीपकर: मिट्टी, गोबर आदि लगाकर चिकना बनाना

आशीर्वाद: शुभकामना, वरदान

प्रसन्न: खुश, हर्षित

छोई या साईं: उत्तराखंड का एक पारंपरिक व्यंजन

व्यंजन: खाने की चीज़

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. त्यौहार क्यों मनाए जाते हैं?

उत्तर:- त्यौहार हमारे जीवन में खुशी, उल्लास और रंग लाते हैं। त्यौहार संस्कृति और परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। त्यौहार साथ लाकर सामाजिक समरसता बढ़ाते हैं।

2. आपका प्रिय त्यौहार कौन-सा है?

उत्तर:- मेरा प्रिय त्यौहार होली हैं।

3. आप अपना प्रिय त्यौहार कैसे मानते हैं?

उत्तर:- होली का त्योहार बहुत ही रंगीन और उत्साही तरीके से मनाया जाता है। लोग रंगों से खेलते हैं, गाने गाते हैं, मिठाईयाँ खाते हैं और परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर खुशियाँ मनाते हैं।

4. वसंत ऋतु के आगमन पर भारत में मनाए जाने वाले त्यौहार कौन-कौन से हैं?

उत्तर:- होली, बसंत पंचमी, मकर संक्रांति, पोंगल, लोड़ी, उगादी

5. उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र में माँ को इजा कहकर पुकारते हैं। आप अपनी माँ को क्या कहकर पुकारते हैं?

उत्तर:- हम भारतीय अपनी माँ को मम्मी कहकर क्यों बुलाते हैं।

सोचिए और लिखिए

1. फुलारी किसे कहते हैं?

उत्तर:- फुलारी उन बच्चों के समूह को कहते हैं जो फुलदेई त्यौहार के दौरान घरों में जाकर फूल, अक्षत और आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

2. फुलारी को मिले चावल और गुड़ से क्या-क्या बनाया जाता है?

उत्तर:- फुलारी को मिले चावल और गुड़ से हलवा, छोई या साईं, पापड़ी जैसे स्थानीय व्यंजन बनाए जाते हैं।

3. फुलदेई को बाल पर्व क्यों कहा जाता है?

उत्तर:- फुलदेई त्यौहार बच्चों द्वारा मनाया जाता है इसलिए इसे बाल पर्व कहा जाता है।

4. फुलदेई पर्व बच्चों को प्रकृति से कैसे जोड़ता है?

उत्तर:- बच्चे जंगल में जाकर फूल इकट्ठा करते हैं, फुलदेई पर्व में बच्चे प्रकृति से जुड़े पारंपरिक गीत गाते हैं और नृत्य करते हैं ऐसे फुलदेई पर्व बच्चों को प्रकृति से जोड़ता है।

भाषा की बात

ऊपर दिए गए चित्र में शिक्षक पूजा से [प्रश्न पूछ रहे हैं। पूजा उत्तर देते हुए अपने और अपने मित्रों के बारे मैं बता रही है। इन दोनों उदाहरणों में पूर्ण विराम (।) अल्प विराम (,) और प्रश्नवाचक (?) चिह्न का प्रयोग किया गया है।

नीचे दिए गए वाक्यों में इन विराम चिह्नों का उपयोग कर वाक्य ठीक कीजिए-

गरिमा को फल खाना बहुत पसंद है वह अपने मित्र गौरव दीपक ममता और नवजोत को भी फल खाने की सलाह देती है क्या आपको भी फल खाना पसंद है

उत्तर:- "गरिमा को फल खाना बहुत पसंद है। वह अपने मित्र गौरव, दीपक, ममता और नवजोत को भी फल खाने की सलाह देती है। क्या आपको भी फल खाना पसंद है?"

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

पता कीजिए

1. फुलदेई वसंत ऋतु (मार्च-अप्रैल) में मनाया जाने वाला त्यौहार है। ऐसे ही शरद ऋतु(सितंबर-अक्टूबर) और हेमंत ऋतु (नवंबर-दिसंबर) में मनाए जाने वाले त्यौहारों की जानकारी खोजिए और लिखिए-

उत्तर:-

शरद ऋतु(सितंबर-अक्टूबर) :- नवरात्रि, दशहरा, दुर्गा पूजा, करवा चौथ, दीपावली, ओणम

हेमंत ऋतु (नवंबर-दिसंबर) :- गोवर्धन पूजा, गुरु नानक जयंती, छठ पूजा, क्रिसमस, मोहर्रम

2. हमारे अवकाश

आपके विधालय में मिलने वाले अवकाशों की जानकारी प्राप्त कीजिए और ऋतुओं के आधार पर नीचे दी गई तालिका में लिखिए-

उत्तर:-

अवकाश	कब से कब तक	कितने दिनों तक
ग्रीष्मकालीन अवकाश	मई में	30 दिनों का
शरदकालीन अवकाश	सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत	3 से 5 दिनों का
शीतकालीन अवकाश	दिसंबर में	10 से 15 दिनों का

3. आइए, अपना घर सजाएँ

फुलदेई के दिन घरों को स्वच्छ करके मुख्य द्वार की देहली को गोबर-मिटटी से लीपकर तैयार किया जाता है।आप अपने घर को त्यौहारों के लिए सजाने हेतु किन-किन वस्तुओं का प्रयोग करते हैं?

उत्तर:- दीपक, मोमबत्तियां, फूल, रंगोली, तोरण, झालर और लाइटें आदि।

कल्पना कीजिए

1. मधुरानी एक दिन उधान में गई। वह बहुत प्रसन्न थी।वहाँ उसे मिली सूरजमुखी बहन और सूरज मामा। सोचकर लिखिए, वे तीनों आपस में क्या बातचीत कर रहे होंगे?

उत्तर:- मधुरानी, सूरजमुखी बहन और सूरज मामा की बातचीत:

मधुरानी : (खुशी से झूमते हुए) नमस्ते सूरजमुखी बहन! आप कैसी हैं?

सूरजमुखी बहन : (मुस्कुराते हुए) नमस्ते मधुरानी! मैं बहुत अच्छी हूँ। आप भी कैसी हैं?

मधुरानी : मैं भी बहुत खुश हूँ! आज यहाँ आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।

सूरजमुखी बहन : (हँसते हुए) आप हमेशा खुश रहती हैं, मधुरानी।

मधुरानी : (शरमाते हुए) थोड़ी तो आपकी वजह से भी है। आप इतनी खूबसूरत हैं!

सूरजमुखी बहन : (शरमाते हुए) धन्यवाद मधुरानी!

मधुरानी : (आश्चर्य से) सूरज मामा, आप भी यहाँ हैं?

सूरज मामा : (गर्जना करते हुए) हाँ, बेटी! मैं हमेशा तुम्हारी देखभाल करता हूँ।

मधुरानी : (हँसते हुए) आप हमेशा इतने गंभीर क्यों रहते हैं, सूरज मामा?

सूरज मामा : (गर्व से) मैं तुम्हारी रक्षा करता हूँ, बेटी।

मधुरानी : (प्यार से) धन्यवाद सूरज मामा!

सूरजमुखी बहन : (मधुरानी से) मधुरानी, आज तुम क्या करने आई हो?

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

मधुरानी	: मैं बस यहाँ घूमने आई थी।
सूरजमुखी बहन	: चलो, मैं तुम्हें मेरे फूलों की दुनिया दिखाती हूँ।
मधुरानी	: (उत्साह से) हाँ, चलो!
	(मधुरानी और सूरजमुखी बहन फूलों के बीच घूमती हैं और बातें करती हैं। सूरज मामा उन पर प्यार से देखते हैं।)
	थोड़ी देर बाद:
मधुरानी	: (शांत स्वर में) सूरजमुखी बहन, मुझे घर जाना होगा।
सूरजमुखी बहन	: (दुखी स्वर में) इतनी जल्दी?
मधुरानी	: हाँ, माँ मुझे बुला रही होंगी।
सूरजमुखी बहन	: (मुस्कुराते हुए) ठीक है। जल्दी वापस आना।
मधुरानी	: (गले लगाते हुए) ज़रूर!
	(मधुरानी सूरजमुखी बहन को अलविदा कहती है और सूरज मामा को नमस्ते करके घर चली जाती है।)

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com